

**उत्तराखण्ड शासन  
औद्योगिक विकास अनुभाग-2**

संख्या: 22.1/VII-II/144-उद्योग/08  
देहरादून दिनांक 17 जुलाई, 2008  
अधिसूचना

औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 11/औ0वि0/07-उद्योग/2004 तथा शासनादेश संख्या 940/औ0वि0/07-उद्योग/2004-05 दिनांक 9/10 नवम्बर, 2004 द्वारा निजी औद्योगिक आस्थान अधिसूचित किये जाने विषयक जारी नीति/दिशा निर्देशों के अधीन उद्योग निदेशात्मक की संस्तुति पत्रांक संख्या 529/उ0वि0 (पांच) नि0औ0आ0/2008-09 दिनांक 6 मई, 2008 के सन्दर्भ में मे0 ऐरो इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 को इण्डस्ट्रियल पार्क-1V की स्थापना हेतु जिला हरिद्वार, तहसील हरिद्वार, ग्राम बेगमपुर में कय/कय अनुबन्धित कुल 88.92 एकड़ भूमि जिसके खसरा संख्या निम्न तालिका में अंकित हैं, को निम्नलिखित प्रतिबन्धों/शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय निजी औद्योगिक आस्थान के रूप में विनियमित/अधिसूचित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजस्व ग्राम का नाम	खसरा नंबर	भूमि का क्षेत्रफल ( एकड़ में)
बेगमपुर, तहसील व जनपद हरिद्वार,	108 से 219	88.92

(1) भारत सरकार की अधिसूचना संख्या-50/2003-कं0उ0शुल्क दिनांक 10 जून, 2003 के Annexure-II में जिला हरिद्वार के अन्तर्गत Category-B Proposed Industrial Area/Estates के रूप में ग्राम बेगमपुर तहसील/जिला हरिद्वार के अन्तर्गत अधिसूचित भूमि के खसरा संख्या-108 से 219 कुल रकबई 81.5042 एकड़ (32.9830 है0) पर स्थापित होने वाली नई औद्योगिक इकाईयों (नकारात्मक सूची को छोड़कर) को विशेष प्रोत्साहन पैकेज का लाभ अनुम्य होगा। ग्राम बेगमपुर तहसील-हरिद्वार के खसरा नम्बर-84, 107, 220 कुल रकबई-7.4157 एकड़ (3.0010 है0) भूमि किसी भी श्रेणी के अन्तर्गत अधिसूचित नहीं है, जिस पर आस्थान में स्थापित होने वाले उद्योगों के लिए केवल अवस्थापना सुविधायें विकसित की जायेंगी।

(2) GIDCR-2005 के पृष्ठ संख्या-34 से 37 में औद्योगिक आस्थान के विकास के लिये दिये गये मानकों विधियों/उपविधियों व उपबन्धों का पालन करना होगा।

(3) इस औद्योगिक आस्थान की भूमि आस्थान के प्रवर्तक कम्पनी द्वारा कय अनुबन्धित है। अतः आस्थान के नियोजित विकास हेतु निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व नियमित भूमि कय विलेख पत्र (Sale Deed) निष्पादित कराकर जी0आई0डी0सी0आर0-2005 के उपबन्धों के अनुरूप कृषि भू-उपयोग से औद्योगिक भू-उपयोग परिवर्तन सुनिश्चित कराना होगा और तत्पश्चात औद्योगिक आस्थान तथा आस्थान में स्थापित होने वाली औद्योगिक इकाईयों के भवन मानचित्र उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण से स्वीकृत कराना होगा।

(4) औद्योगिक आस्थान के रख-रखाव, अवस्थापना सुविधाओं के विकास तथा अन्य नागरिक सुविधाओं का दायित्व आस्थान के प्रवर्तक कम्पनी का होगा। आबंटी इकाईयों को आवंटन से पूर्व आस्थान में उपलब्ध करायी जाने वाली अवस्थापना सुविधाओं तथा अन्य के सम्बन्ध में स्पष्ट सभी सूचनायें उपलब्ध करायी जायेंगी।

(5) आस्थान को विकसित करने के लिये विभिन्न विभागों जैसे वन एवं पर्यावरण विभाग, राजस्व विभाग, अग्निशमन विभाग, उत्तरांचल पौधर कॉरपोरेशन आदि से वांछित विभिन्न स्वीकृति/अनुमति/अनुमोदन/अनापत्ति आदि जो भी वांछित औपचारिकतायें अपेक्षित होंगी, वह प्रवर्तक/कम्पनी द्वारा स्वयं पूर्ण की जायेंगी।

(6) सभी आवंटियों से यह अप्रहरेकिंग ली जायेगी कि आस्थान में उद्योग स्थापना के उपरान्त 70 प्रतिशत रोजगार/सेवायोजन स्थानीय व प्रदेश के लोगों को उपलब्ध कराया जायेगा तथा भूमि/भूखण्ड की (Sale Deed)/सीज डीड में भी इस शर्त को उल्लिखित किया जायेगा।

(7) निजी औद्योगिक आस्थान के विकास हेतु औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन तथा निदेशक, उद्योग, उत्तराखण्ड द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों तथा प्रदेश की औद्योगिक नीति के अन्तर्गत ऐसी औद्योगिक इकाईयों, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा हतोत्साहित किया जा रहा है अथवा जो भारत सरकार की नकारात्मक सूची में सम्मिलित है, की स्थापना औद्योगिक आस्थान में नहीं की जायेगी।

(8) प्रवर्तक कम्पनी द्वारा आस्थान में भूखण्डों की निर्धारित की गई दूरों, विपन्न तथा विकास आदि के सम्बन्ध में महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र/निदेशक, उद्योग उत्तराखण्ड को समय-समय पर सूचना नियमित रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।

(9) परियोजना के लिये विद्युत पर्यावरण संरक्षण हेतु ईटीपी की व्यवस्था तथा विद्युत सब स्टेशन का निर्माण भी स्वयं के व्यय पर करनी आवश्यक होगी।

(10) उपरोक्त उल्लिखित प्रतिबन्धों/शर्तों का उल्लंघन करने पर अथवा अन्य किसी कारणों से जिसे शासन उचित समझता हो सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से यह अधिसूचना (नोटिफिकेशन) निरस्त किया जा सकता है।

(पी0सी0शर्मा )

प्रमुख सचिव

पृष्ठांकन संख्या 22- (1)/VII-II/144-उद्योग/2008 तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निदेशक, उद्योग, उत्तराखण्ड, उद्योग निदेशालय, देहरादून।
2. सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. स्टाफ आफीसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
4. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
5. संयुक्त सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग), उद्योग भवन नई दिल्ली।
6. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य ऊर्जा निगम, ऊर्जा भवन, देहरादून।
7. मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, देहरादून।
8. अध्यक्ष, समस्त उद्योग संघ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
10. प्रबन्ध निदेशक, सिडकुल, देहरादून।
11. मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
12. सचिव, उत्तराखण्ड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, देहरादून।
13. महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, रुड़की (हरिद्वार)।
14. अध्यक्ष, मै0 एरो इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, सी-3, शिवालय नगर, हरिद्वार।
15. एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय पारसर।
16. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(पी0सी0शर्मा )

प्रमुख सचिव

17/7